'आओ पढ़ें' श्रृंखला

पुस्तकों की यह श्रृंखला, बच्चों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने में शिक्षकों और अभिभावकों की मदद कर सकती है। इन्हें कक्षाओं में, वाचनालयों में और घरों में भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

विषय-वस्तु बच्चों की जानी-पहचानी दुनिया से ली गई है। छोटे, सरल वाक्य, बार-बार दोहराए गए शब्द, रोचक चित्र - ये सभी आरम्भिक अवस्था में पढ़ना आसान बनाने में बच्चों की मदद करते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें पढ़ने में आनन्द आता है। बच्चों को, आरम्भिक वर्षों में, 'असली पुस्तकें' पढ़ने की भी सुखद अनुभूति होती है।

नई लड़की

सेंटर फॉर लर्निंग रिसोर्सेज़, पुणे

नई लड़की

मूल मराठी लेखिका - मिनी श्रीनिवासन

हिन्दी रूपान्तरण - मीता श्रीवास्तव

चित्र सज्जा - जयंती मनोकरण

मुख्य पृष्ठ सज्जा - संध्या राडकर

मार्गदर्शन - ज़किया कुरियन

यह नई लड़की है।

अब हँसो, नाक पोछो।

चलो मज़े करें।

चलो कूदें।

जूतें पहन कर कूदें।

जूते उतार कर कूदें।

चलो गोल-गोल घूमें।
हाथ पकड़ कर घूमें।
पैर पटक कर घूमें।

चलो बालू पर बैठें।
बालू छानें, बाल्टी में भरें।

चलो अब दौड़ें।

तेज़ दौड़ें, धीमे दौड़े।

अब तो रोना धोना नहीं ?

अब क्या करें ?

पेड़ पर चढ़ो,
नीचे कूदो।

हाथों में जूते पहनो।
अब हाथों पर चलो।

ज़मीन पर लोटो,
गोल-गोल लोटो।

अब बस, अब बस!
हम मैले हो गए।

चलो अब बैठें।
खाना खाएँ।

नई लड़की रोती नहीं।
नई लड़की तो बड़ी होशियार!
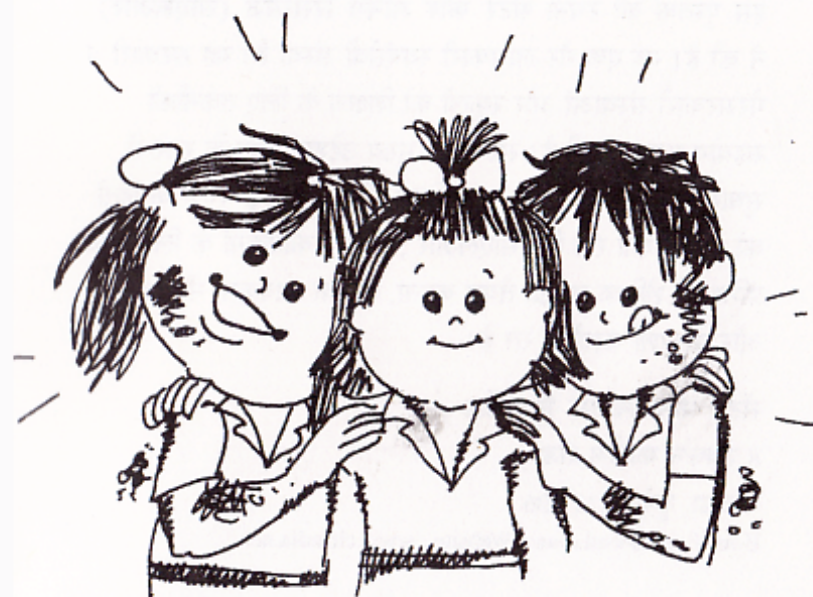
इस पुस्तक की रचना **सेंटर फॉर लर्निंग रिसोर्सेज़ (सीएलआर)** ने की है। यह एक गैर लाभकारी स्वयंसेवी संस्था है। यह सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं और स्कूलों को शिक्षण के लिए तकनीकी सहयोग प्रदान करती है। संस्था का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के स्तर में सुधार लाना और आर्थिक, सामाजिक दृष्टि से पिछड़े बच्चों के हितों को बढ़ावा देना रहा है। 'सीएलआर', शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए शोध, प्रशिक्षण, शैक्षिक सामग्री तैयार करना, शैक्षिक कार्यक्रमों में समर्थन और परामर्शी कार्यों में रत है।

सेंटर फॉर लर्निंग रिसोर्सेज़
8 डेक्कन कॉलेज रोड
येरवडा, पुणे - 411 006
E-mail : clr@vsnl.com • Website : www.clrindia.net